ई-न्यूज

# 24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, सोमवार 29 दिसम्बर 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 237



# अरावली पर "आया ऊंट पहाड़ के नीचे"

## सुप्रीम फैसला, 100 मीटर की परिभाषा पर रोक



**24 न्यूज अपडेट**

नई दिल्ली / जयपुर। अरावली पर्वतमाला को खनन के हवाले करने की आशंका पर उठे देशव्यापी जन-आक्रोश के बीच सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा और निर्णायक कदम उठाते हुए अपने ही 20 नवंबर के आदेश पर रोक लगा दी है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि 21 जनवरी 2026 तक अरावली क्षेत्र में किसी भी तरह का खनन नहीं होगा। सोमवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और ए.जी. मसीह की वेकेशन बेंच ने साफ कहा कि अरावली को केवल 100 मीटर से ऊंची पहाड़ियों तक सीमित करने वाली सिफारिशें फिलहाल लागू नहीं होंगी। यह फैसला उन लाखों लोगों के लिए राहत है, जो अरावली को बचाने के लिए सड़कों से अदालत तक आवाज उठा रहे थे।

### अब एक्सपर्ट कमेटी करेगी निष्पक्ष जांच

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि इस पूरे मसले पर एक हाई-पावर्ड एक्सपर्ट कमेटी गठित की जाए, जो मौजूदा विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट का स्वतंत्र और निष्पक्ष मूल्यांकन करेगी। कमेटी अपनी सिफारिशें सीधे अदालत को देगी। कोर्ट ने केंद्र सरकार और राजस्थान, गुजरात, हरियाणा व दिल्ली—चारों अरावली राज्यों को नोटिस जारी कर जवाब भी तलब किया है।

CJI बोले—अदालत की मंशा को गलत तरीके से पेश किया गया

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि अदालत की टिप्पणियों और विशेषज्ञ रिपोर्ट को लेकर भ्रम फैलाया गया है। जब तक सभी पहलुओं पर गहराई से विचार नहीं हो जाता, तब तक किसी भी सिफारिश को लागू करना उचित नहीं होगा। उन्होंने साफ कहा कि अगली सुनवाई तक सारी सिफारिशें 'अबेयंस' में रहेंगी।

### सरकार पर सियासी दबाव, विपक्ष हमलावर

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा— चारों राज्यों की जनता सड़कों पर उतरी, आंदोलन हुआ, तब जाकर यह रोक लगी। सरकार को अब जनता की भावना समझनी चाहिए। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इसे सरकार की पुनर्परिभाषा नीति की हार बताते हुए केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से इस्तीफे की मांग कर दी। विवाद गहराने के बाद 24 दिसंबर को केंद्र सरकार ने पूरी अरावली रेंज में नए खनन पट्टों पर रोक लगाने का आदेश जारी किया था। मंत्रालय ने कहा था कि अरावली एक सतत भू-वैज्ञानिक श्रृंखला है और इसे एनसीआर सहित पूरे क्षेत्र के पर्यावरण संतुलन के लिए बचाना जरूरी है।

### जनता बनाम खनन- लड़ाई अभी बाकी

अरावली की परिभाषा को लेकर यह लड़ाई अब केवल तकनीकी नहीं, पर्यावरण बनाम मुनाफे की लड़ाई बन चुकी है। सुप्रीम कोर्ट का यह अंतरिम ब्रेक साफ संकेत है—जब तक हर सवाल का ईमानदार जवाब नहीं मिलेगा, तब तक अरावली को छेड़ा नहीं जाएगा।

## आज से बिना आधार सुबह 8-12 रेल टिकट बुकिंग नहीं: नियम रिजर्व बुकिंग खुलने के पहले दिन पर लागू




**24 न्यूज अपडेट**

आज यानी, 29 दिसंबर से बिना अधार लिंक वाले IRCTC यूजर्स सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक टिकट बुक नहीं कर पाएंगे। ये नियम केवल रिजर्व रेल टिकट बुकिंग खुलने के पहले दिन पर लागू होगा। रिजर्व टिकट की बुकिंग ट्रेन डिपार्चर की तारीख के 60 दिन पहले खुलती है।

रेलवे इस नियम को तीन फेज में लागू कर रहा है। पहला फेज आज से लागू हो चुका है। वहीं दूसरा फेज में 5 जनवरी से और तीसरा फेज 12 जनवरी से लागू होगा।

29 दिसंबर से बिना अधार सुबह 8 बजे से 12 बजे तक टिकट बुक नहीं होगी।

5 जनवरी से सुबह 8 से शाम 4 बजे तक टिकट बुकिंग पर पाबंदी रहेगी।

12 जनवरी से सुबह 8 से रात 12 बजे तक ऐसे यूजर्स की टिकट बुक नहीं होगी।

## उन्नाव रेप केस: पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक



**24 न्यूज अपडेट**

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव रेप केस में आरोपी पूर्व बीजेपी विधायक कुलदीप सेंगर की दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा दी गई जमानत पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने सेंगर को नोटिस जारी करते हुए 4 हफ्ते बाद सुनवाई की तारीख तय की है। सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट ने 23 दिसंबर 2025 को जमानत दी थी, जिसके खिलाफ CBI ने 3 दिन पहले सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सोमवार को चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच में करीब 40 मिनट तक दोनों पक्षों की दलीलें सुनी गईं। CJI सूर्यकांत ने कहा कि हाईकोर्ट के जज बेहतरीन हैं, लेकिन गलती किसी से भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस मामले में गंभीर कानूनी सवाल हैं और आरोपी पहले से एक अन्य मामले में दोषी ठहराया जा चुका है। ऐसे में हाईकोर्ट का 23 दिसंबर 2025 का जमानत आदेश रोकने का निर्णय लिया गया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि यह भयावह मामला है, जिसमें धारा 376 और पॉक्सो के तहत आरोपी पर आरोप तय हुए हैं। न्यूनतम सजा 20 साल से लेकर आजीवन जेल तक हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश सुनते ही पीड़िता फूट-फूटकर रो पड़ी, जिसे एक्टिविस्ट योगिता भैयाना और अन्य महिलाओं ने संभाला। पीड़िता ने कहा, मैं इस फैसले से बहुत खुश हूं। मैं इस लड़ाई को जारी रखूंगी और उसे फांसी की सजा दिलाऊंगी। तभी हमारे परिवार को न्याय मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान 1997 के एलके आडवाणी केस का भी हवाला दिया गया। CBI ने तर्क दिया कि चुने हुए विधायक को भी सरकारी कर्मचारी माना जा सकता है और बच्चों के खिलाफ यौन अपराध में यह सिद्धांत सख्ती से लागू होना चाहिए।

### उन्नाव गैंगरेप केस के मुख्य तथ्य

4 जून 2017 को पीड़िता के साथ सेंगर ने बलात्कार किया। उसके पिता को पीटा गया और बाद में उनकी पुलिस हिरासत में मौत हुई। मामला CBI को 12 अप्रैल 2018 को ट्रांसफर किया गया। सेंगर गिरफ्तार होकर जेल भेजा गया। 21 दिसंबर 2019 को दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने सेंगर को उम्रकैद की सजा सुनाई। पीड़िता और उसके परिवार ने वर्षों तक न्याय की लड़ाई जारी रखी। सुप्रीम कोर्ट के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी, RAF के जवान तैनात थे। पीड़िता की मां ने कहा, हाईकोर्ट के जजों ने हमारे साथ अन्याय किया। अब सुप्रीम कोर्ट ने न्याय किया है, हमें सुरक्षा चाहिए।

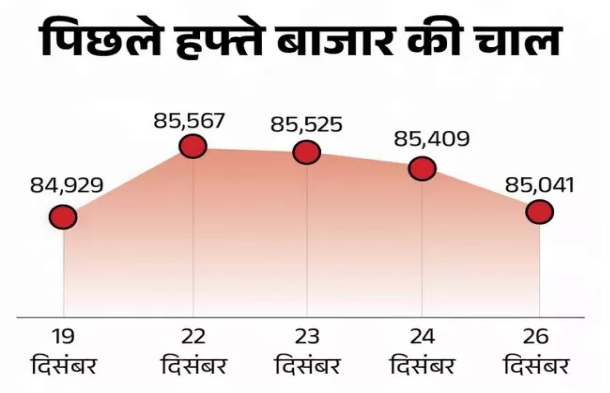
## चित्तौड़गढ़ में जब्त 50 क्विंटल डोडा-चूरा और गांजा नष्ट



**24 न्यूज अपडेट**

चित्तौड़गढ़। जिले के 9 पुलिस थानों में जब्त किए गए लगभग 50 क्विंटल अवैध डोडा-चूरा और गांजा को सोमवार को वंडर सीमेंट वर्क्स, कीलन में जलाकर नष्ट कर दिया गया। यह कार्रवाई न्यायालय से वेरिफिकेशन और अंतिम अनुमति मिलने के बाद की गई। पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि जिले के कोतवाली निंबाहेड़ा, सदर निंबाहेड़ा, चंदेरिया, मंगलवाड़, निकुंभ, कपासन, बिजयपुर, पारसोली और शंभूपुरा थानों में कुल 30 मामले दर्ज थे। इनमें से 28 मामलों में 40 क्विंटल 12 किलो 690 ग्राम डोडा-चूरा और 2 प्रकरणों में 10 क्विंटल 38 किलो 430 ग्राम गांजा जब्त किया गया था। नष्ट करने से पहले सभी मादक पदार्थों का रिकॉर्ड मिलान और वजन किया गया, साथ ही फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कर पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनाई गई। इस मौके पर महानिरीक्षक पुलिस, उदयपुर रेंज गौरव श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह और उदयपुर के एएसपी हर्ष रतनू समेत थानों के प्रभारी, मालखाना अधिकारी और अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि थानों में जब्त मादक पदार्थों के लिए मालखानों में जगह नहीं थी, जिससे थानों को व्यवस्थित रखना मुश्किल हो रहा था। इसी समस्या को दूर करने और थानों को स्वच्छ व व्यवस्थित बनाने के लिए यह कदम उठाया गया। विशेष प्रकरण में कपासन थाने से 10 क्विंटल से अधिक गांजा नष्ट किया गया, जिसकी प्रक्रिया रेंज स्तरीय औषधि व्ययन समिति की निगरानी में संपन्न हुई।

## सेंसेक्स 345 अंक गिरकर 84,695 पर बंद: निफ्टी भी 100 अंक फिसला; ऑटो और IT शेयरों में गिरावट, मीडिया सेक्टर में तेजी




**24 न्यूज अपडेट**

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन आज यानी सोमवार, 29 दिसंबर को सेंसेक्स 345 अंक गिरकर 84,695 पर बंद हुआ है। निफ्टी में 100 अंक की गिरावट रही, ये 25,942 पर बंद हुआ है।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में गिरावट है। निफ्टी के 50 शेयरों में से 33 शेयर गिरावट में रहे। ऑटो, IT, फार्मा और रियल्टी शेयरों में गिरावट रही, अकेले मीडिया सेक्टर में तेजी देखने को मिली है।

## सोने-चांदी के दाम लगातार पांचवें दिन ऑलटाइम हाई पर: चांदी 2.43 लाख किलो पर पहुंची, सोना 1.38 लाख के पार हुआ



**24 न्यूज अपडेट**

सोने-चांदी के दाम आज यानी 29 दिसंबर को लगातार पांचवें कारोबारी दिन ऑलटाइम हाई पहुंच गए। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम सोना 1,38,161 पर ओपन हुआ था। हालांकि इसके बाद ये 1,175 रुपए गिरकर 1,36,781 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। इससे पहले ये 1,37,956 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

वहीं, चांदी भी 2,43,483 किलो पर पहुंच गई थी। हालांकि इसके बाद ये थोड़ा नीचे आई और 7,333 रुपए बढ़कर 2,35,440 रुपए पर बंद हुई। इससे पहले ये 2,28,107 रुपए पर थी। इस साल सोना 60,619 और चांदी 1,49,423 महंगी हो चुकी है।

## बांग्लादेश में हिंदू परिवार के 5 घरों में आग लगाई: दरवाजे बाहर से बंद थे, लोग बाड़ काटकर घर से निकले; पांच संदिग्ध गिरफ्तार

**24 न्यूज अपडेट**

बांग्लादेश में हिंदू परिवारों के कम से कम पांच घरों में आग लगाने की घटना सामने आई है। यह घटना शनिवार, 27 दिसंबर को पिरोजपुर जिले के दम्रिताला गांव की बताई जा रही है।

परिवार के सदस्यों के मुताबिक आग लगने के वक्त वे घर के अंदर फंसे हुए थे क्योंकि दरवाजे बाहर से बंद थे। कुल आठ लोग टिन और बांस की बाड़ काटकर बाहर निकलने में कामयाब रहे। लेकिन उनके घर, सामान और पालतू जानवर पूरी तरह जलकर राख हो गए।

स्थानीय पुलिस ने पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के मुताबिक आग लगने की सटीक वजहों का पता नहीं चल पाया। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि हमलावरों ने एक कमरे में कपड़े भरकर आग लगा दी, जिससे आग तेजी से पूरे घर में फैल गई।



घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें लोग आग को बुझाने की कोशिश करते दिख रहे हैं।

### 6 महीने में अल्पसंख्यकों पर हमले की 71 घटनाएं

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ ईशनिंदा यानी धर्म का अपमान करने के आरोपों से जुड़े मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। जून से दिसंबर 2025 के बीच ऐसे कम से कम 71 मामले दर्ज किए गए हैं।

यह जानकारी बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों पर काम करने वाले संगठन 'ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज' (HRCBM) की रिपोर्ट में सामने आई है।

मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि हमले के लिए हर बार एक ही तरह का तरीका अपनाया जा रहा है।

पहले सोशल मीडिया पर आरोप, फिर तुरंत गिरफ्तारी, उसके बाद भीड़ का इकट्ठा होना और हिंदू इलाकों पर हमला। अब ईशनिंदा के आरोप डर फैलाने और अल्पसंख्यकों को दबाने का हथियार बनते जा रहे हैं।

### देश के 30 से ज्यादा जिलों में हुईं ऐसी घटनाएं

HRCBM का कहना है कि ये घटनाएं देश के 30 से ज्यादा जिलों में फैली हुई हैं। रंगपुर, चांदपुर, चटगांव, दिनाजपुर, खुलना, कुमिल्ला, गाजीपुर, टांगाइल और सिलहट जैसे कई इलाकों में ऐसे मामले सामने आए हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इतनी बड़ी संख्या में एक जैसे मामले होना यह दिखाता है कि यह सिर्फ इक्का-दुक्का घटनाएं नहीं हैं, बल्कि अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने का एक चलन बनता जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जैसे ही किसी पर ईशनिंदा का आरोप लगता है, पुलिस तुरंत कार्रवाई करती है, लेकिन उसके साथ ही इलाके में भीड़ इकट्ठा हो जाती है और हिंसा शुरू हो जाती है। कई बार आरोप किसी एक व्यक्ति पर होता है, लेकिन गुस्साई भीड़ पूरे हिंदू मोहल्ले को सजा देती है।



## संपादकीय : सुरक्षा का सवाल

कनाडा में दो सप्ताह के भीतर दो भारतीयों की हत्या ने सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता पैदा कर दी है। पिछले हफ्ते टोरंटो में एक भारतीय महिला की उसके आवास पर हत्या कर दी गई। दूसरी घटना में टोरंटो विश्वविद्यालय के स्कारबोरो परिसर के पास बीस वर्षीय एक भारतीय शोध छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इन वारदात के पीछे क्या कारण थे और इसे किसने अंजाम दिया, इसकी जांच पुलिस कर रही है, लेकिन सवाल है कि आखिर कनाडा में भारतीय मूल के लोगों पर हमले क्यों हो रहे हैं? क्या यह नस्लीय नफरत से उपजी कुंठा और आक्रामकता का नतीजा है या फिर किसी सोची-समझी साजिश की कड़ियां, जो लक्षित तरीके से हमलों का जाल बुना जा रहा है ! यही नहीं, कनाडा के एक अस्पताल में हाल में इलाज का इंतजार कर रहे भारतीय मूल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जाता है कि इस व्यक्ति को आठ घंटे से अधिक समय तक इंतजार करने के बाद भी उपचार नहीं मिला और हृदयघात से उसकी जान चली गई। यह घटना न केवल चिकित्सकों की लापरवाही दर्शाती है, बल्कि भारतीय मूल के लोगों के साथ भेदभाव की ओर भी इशारा करती है । गौरतलब है कि कनाडा में भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों की संख्या अच्छी-खासी है। हर साल बड़े पैमाने पर भारतीय युवा वहां उच्च शिक्षा ग्रहण करने जाते हैं। नीति आयोग की हाल की एक रपट के मुताबिक, उच्च शिक्षा हासिल करने के मामले में भारतीय विद्यार्थी के लिए कनाडा पहली पसंद है। इसके बाद अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और जर्मनी का स्थान आता है। पिछले वर्ष कनाडा में सवा चार लाख भारतीय विद्यार्थी अध्ययनरत थे । इसके अलावा कनाडा की नागरिकता लेकर वहां बसे भारतीयों की संख्या पंद्रह लाख से अधिक है। ऐसे में सवाल है कि जो भारतीय पढ़ाई या नौकरी के लिए कनाडा जाते हैं, या जो वहां के स्थायी नागरिक बन गए हैं, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी वहां की सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की नहीं, तो और किसकी है? हाल के वर्षों में कनाडा में भारतीयों पर हमले की खबरें आए दिन आती रहती हैं, जिससे वहां की कानून व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह बात छिपी नहीं है कि कनाडा में भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों तथा उनके धार्मिक प्रतिष्ठानों पर लक्षित तरीके से हमले की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है। टोरंटो विश्वविद्यालय के शोधार्थी छात्र और उससे पहले एक भारतीय महिला की हत्या को भी इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं, टोरंटो के दक्षिण-पूर्वी एडमोंटन स्थित अस्पताल में भारतीय मूल के व्यक्ति को आठ घंटे तक इलाज मुहैया न कराने की घटना प्रथम दृष्टया नस्लीय भेदभाव का मामला ही प्रतीत होता है। इस तरह की घटनाओं को लेकर समान रूप से यह बात भी सामने आई है कि वहां की सुरक्षा एजेंसियां कार्रवाई में उतनी तत्पर नजर नहीं आती, जितनी उनसे अपेक्षा की जाती है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि जांच अधिकारी जानबूझकर लापरवाही बरतने का प्रयास करते हैं। ऐसे में भारत सरकार को चाहिए कि इस तरह के मामलों को कूटनीतिक स्तर पर प्रभावी तरीके से उठाया जाए और उचित कार्रवाई का दबाव बनाया जाए । वहीं, कनाडा की सरकार को भी यह बात समझनी होगी कि द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के प्रयास वहां रहे भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित किए बिना सिरे नहीं चढ़ पाएंगे।

## बेलगाम अपराध

उत्तर प्रदेश सरकार आए दिन यह दावा करने में कोई संकोच नहीं करती कि उसने राज्य में अपराध और अपराधियों को खत्म कर दिया है। मगर राज्य के अलग-अलग इलाकों से जिस तरह लगातार जघन्य वारदात की खबरें आती हैं, वे यह बताने के लिए काफी हैं कि सरकारी दावों की हकीकत क्या है। ज्यादा चिंता की बात यह है कि अपराधों का दायरा फैलते हुए अब नाबालिगों या किशोरों को भी चपेट में ले रहा है। गौरतलब है कि राज्य के गोरखपुर जिले में कोआपरेटिव इंटर कालेज के परिसर में शुक्रवार को तीन हमलावर घुसे और उन्होंने ग्यारहवीं के एक छात्र की गोली मार कर हत्या कर दी। परिसर में जब छात्र इकट्ठा होने लगे, तो तीनों हमलावर तमंचा लहराते हुए भाग निकले। खबरों के मुताबिक, सोशल मीडिया पर टिप्पणियों की वजह से उनके बीच विवाद हुआ था और इसी वजह से तीन ने मिल कर एक छात्र की हत्या कर दी। एकबारगी यह कल्पना से बाहर की बात लगती है कि स्कूल परिसर में हुए इस जघन्य अपराध में पीड़ित और हमलावर, दोनों ही किशोर हैं, लेकिन यह घटना एक सच्चाई है, जो सबके लिए चिंता की बात होनी चाहिए। पिछले कई वर्षों से उत्तर प्रदेश की सरकार अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में इसी बात को जोर-शोर से प्रचारित करती है कि उसके उठाए कदमों की वजह से अब राज्य में अपराधियों के पांव कांपते हैं और अपराध पर पूरा नियंत्रण हो गया है। मगर हालत यह है कि राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों में हत्या जैसे जघन्य अपराधों के अलावा महिलाओं और दलितों के खिलाफ आपराधिक घटनाओं के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे चिंताजनक स्थिति में पहुंच गया है। ज्यादा परेशान करने वाली बात यह है कि एक ओर सरकार अपराध खत्म करने के दावे करती रही और दूसरी ओर आपराधिक घटनाओं का दायरा फैलता गया। प्रचार के बरक्स अपराध की तस्वीर यही बताती है। कि राज्य में कानून-व्यवस्था लचर स्थिति में है और आपराधिक मानसिकता वाले लोग बेखौफ दिखते हैं। सवाल है कि अगर अपराध के पांव नाबालिगों या किशोरों के बीच भी फैल रहे हैं तो आने वाले वक्त में इसका सामाजिक असर क्या होगा और उसके लिए कौन जिम्मेदार होगा ?

# डूंगरपुर में हुआ रोत-रावत महासंग्राम, दिशा से भटका संवाद, लोगों ने कहा-सर्दी में गर्मी का अहसास!!



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। जिले में विकास योजनाओं की समीक्षा के लिए आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सोमवार को उस वक्त विवादों में घिर गई, जब निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के बीच मतभेद सार्वजनिक टकराव में बदल गए। जिला कलेक्टर सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में हुई यह घटना न केवल बैठक की गरिमा पर भारी पड़ी, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र को असहज स्थिति में ले आई। लोगं को रोत रावत महासंग्राम के बीच सर्दी में गर्मी का अहसास हुआ। लोगों ने कहा कि अगर विकास के नाम पर झगड़ रहे हैं तो ऐसी नोकझोंक रोज—रोज होनी चाहिए ताकि जनता को लाभ मिल सके। मगर अगर केवल विचारधारा व वीडिया क्लिप का संग्राम चल रहा है तो यह लोकतंत्र के लिए घातक है, एक चेतावनी है। इंटरनेट पर अक्सर आमने सामने होने वाले जब रीयल लाइफ में आमने सामने हुए तो यह नौबत आना कई लोगों को असहज कर गया। लोग पूछ रहे हैं कि अब क्या आगे से भी यह सब होता रहेगा या फिर नेता आपस में मिल बैठ का जनता के हित के लिए समाधान निकालेंगे।

हुआ ये कि जिला परिषद के ईडीपी सभागार में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता सांसद द्वारा की जा रही थी। बैठक में उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत, बांसवाड़ा-डूंगरपुर से भारत आदिवासी पार्टी (BAP) के सांसद राजकुमार रोत, आसपुर विधायक उमेश डामोर, जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश सांखला सहित कई विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

### एजेंडे की सीमा पर उठा सवाल

सूत्रों के अनुसार, बैठक के शुरुआती चरण में सांसद राजकुमार रोत ने केंद्र सरकार की योजनाओं के साथ-साथ राज्य सरकार से जुड़े कुछ मुद्दे भी चर्चा में रखे। इस पर उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत ने आपत्ति जताते हुए कहा कि दिशा बैठक का स्वरूप और एजेंडा केंद्र सरकार द्वारा तय होता है और उसी के अनुसार चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित सरकारी आदेश का हवाला भी दिया। यहीं से असहमति ने बहस का रूप ले लिया। दोनों सांसदों के बीच हुई तीखी नोकझोंक में बात केवल मुद्दों तक सीमित नहीं रही, बल्कि आरोप-प्रत्यारोप तक पहुंच गई।

### विधायक के हस्तक्षेप से बिगड़े हालात

सांसदों के बीच चल रही बहस के दौरान आसपुर विधायक उमेश डामोर भी चर्चा में शामिल हो गए। विधायक और सांसद के बीच संवाद जल्द ही तल्ख़ होता चला गया। स्थिति उस समय और गंभीर हो गई, जब खुले मंच से चुनौती भरे शब्द कहे गए, जिससे बैठक कक्ष में मौजूद अधिकारी और अन्य सदस्य स्तब्ध रह गए। करीब 15 मिनट तक चली इस हाई-वोल्टेज स्थिति के कारण बैठक की कार्यवाही बाधित रही। हालात को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षाकर्मियों को आगे आना पड़ा। जिला प्रशासन और सदस्यों की समझाइश के बाद ही स्थिति शांत हो सकी।

### क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व भी बना पृष्ठभूमि

उल्लेखनीय है कि डूंगरपुर जिले की चार विधानसभा सीटों में से डूंगरपुर, चौरासी और सागवाड़ा विधानसभा बांसवाड़ा-डूंगरपुर संसदीय क्षेत्र में आती हैं, जबकि आसपुर विधानसभा उदयपुर संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है। इसी क्षेत्रीय विभाजन के कारण बैठक में अधिकार-क्षेत्र और प्राथमिकताओं को लेकर पहले से ही संवेदनशीलता बनी हुई थी।

### विकास के मुद्दे दबे

दिशा बैठक का मूल उद्देश्य केंद्र सरकार की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की निगरानी और जिलास्तरीय समस्याओं पर समन्वय स्थापित करना होता है। लेकिन इस बैठक में राजनीतिक टकराव के कारण कई अहम विकास मुद्दों पर चर्चा अपेक्षित गहराई से नहीं हो सकी।

# सुप्रीम कोर्ट का फैसला: अरावली संरक्षण में ऐतिहासिक जीत



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 29 दिसंबरः राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर डॉ. संजीव राजपुरोहित ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय के हालिया दो फैसलों को जनता और पर्यावरण के पक्ष में निर्णायक कदम बताते हुए स्वागत किया। डॉ. राजपुरोहित ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अरावली पर्वत श्रृंखला की नई परिभाषा पर रोक लगाना जनता और सत्य की जीत है। उन्होंने चेतावनी दी कि भाजपा सरकार द्वारा प्रस्तुत नई परिभाषा अरावली की संरक्षण क्षमता पर गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकती थी। उन्होंने कहा, "यह फैसला पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। न्यायपालिका ने स्पष्ट कर दिया है कि अरावली, पर्यावरण और पीड़ितों के अधिकारों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।" डॉ. राजपुरोहित ने आगे कहा कि जनता को मिले इस न्यायिक संरक्षण से सुप्रीम कोर्ट पर विश्वास और प्रगाढ़ हुआ है, और जनवरी में आने वाला अंतिम निर्णय भी जनभावनाओं और पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में ही अपेक्षित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो संविधान के तहत संघर्ष और आंदोलन का अधिकार उनका मार्गदर्शन करेगा। डॉ. राजपुरोहित ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में जनता की हर लड़ाई के समर्थन का भरोसा दिलाया। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया ने इस फैसले को पर्यावरण संरक्षण और लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति एक प्रेरणादायक संकेत के रूप में वर्णित किया।

# दिनदहाड़े चोरी का खुलासा: चित्तौड़गढ़ पुलिस ने दो युवकों को किया गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़. चित्तौड़गढ़ के मानपुरा गांव में 23 दिसंबर को दिनदहाड़े हुई 19 लाख 50 हजार रुपए और सोने-चांदी के गहनों की चोरी का कोतवाली थाने पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने इस मामले में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी ऑनलाइन ट्रेडिंग और सट्टे की लत में कर्जदार हो गए थे, और इसी आर्थिक तंगी ने उन्हें चोरी के रास्ते पर धकेल दिया। अलमारी से उड़ाए 19 लाख 50 हजार रुपए और कीमती गहने जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि मानपुरा निवासी सत्यनारायण कुमावत अपने परिवार के साथ 23 दिसंबर को बाहर गए थे। दोपहर करीब 2 बजे घर लौटे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा और घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त था। तलाशी लेने पर पता चला कि तीन तोला सोने के गहने, सवा किलो चांदी के गहने और 19 लाख 50 हजार रुपए नकद चोरी हो गए थे। एसपी ने बताया कि एएसपी सरिता सिंह और डीएसपी बृजेश सिंह के निर्देशन में थानाधिकारी तुलसीराम की टीम ने एएसआई हिम्मत सिंह, देवीलाल, कांस्टेबल मनीष मौर्य और साइबर सेल की मदद से गहन जांच की। तकनीकी विश्लेषण और ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर आरोपी दिनेश (24) पुत्र राधेश्याम कुमावत और नितेश (21) पुत्र हरिशंकर कुमावत को पकड़ लिया गया। पूछताछ में दोनों ने चोरी की वारदात स्वीकार की।

### सट्टा और ऑनलाइन ट्रेडिंग ने बनाई चोर की योजना

पुलिस के अनुसार दिनेश को ऑनलाइन ट्रेडिंग और नितेश को ऑनलाइन सट्टे की लत थी। लगातार नुकसान और बढ़ते कर्ज के कारण उन्होंने आर्थिक तंगी में जल्दी पैसे कमाने के लिए चोरी की योजना बनाई।

# बंशीपान तिराहे पर फेंका ऑयल वाला कचरा, दोपहिया वाहन फिसले

24 न्यूज अपडेट



उदयपुर में कल रात को एक बड़ी लापरवाही की खबर सामने आई है। शहर के बंशीपान तिराहे के पास बीती रात कुछ असामाजिक तत्वों ने ऑयल से भरे कचरे का बोरा सड़क के बीचों-बीच फेंक दिया। सड़क पर फैले ऑयल के कारण दो पहिया वाहन चालक संतुलन खो बैठे। एक के बाद एक कई राहगीर स्लिप होने लगे। कुछ लोगों को चोटें भी आईं। हालात तब और गंभीर हो सकते थे, लेकिन मौके पर मौजूद जागरूक नागरिकों ने समझदारी दिखाई। उन्होंने तत्काल पुलिस के बैरिकेड लगाकर रास्ता रोका और आने-जाने वाले वाहन चालकों को सतर्क किया। इसके साथ ही नगर निगम को भी घटना की सूचना दी गई, ताकि सड़क की सफाई कराई जा सके और किसी बड़े हादसे को टाला जा सके। सवाल यह है कि शहर की सड़कों पर इस तरह ऑयल वाला कचरा आखिर कौन फेंक गया। प्रशासन को सीसीटीवी देखते हुए कचरा फेंकने वालों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

# उदयपुर के गोपेश शर्मा को काठमांडू में एशियन कांटिनेंटल अवार्ड 2025



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पर्यावरण संरक्षण एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वृक्षम अमृतम सेवा संस्थान उदयपुर के अध्यक्ष गोपेश शर्मा को अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा नेपाल के काठमांडू में आयोजित कार्यक्रम में "एशिया कॉन्टिनेंटल अवॉर्ड 2025" से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में नेपाल के प्रथम महामहिम उपराष्ट्रपति परमानंद झा, अध्यक्ष डॉ. हुकम चंद गणेशिया, चांसलर रोमा यूनिवर्सिटी नई दिल्ली, जगदगुरू शिवशक्ति महाराज, नेपाल सरकार के भूतपूर्व उपप्रधानमंत्री राजेंद्र महतो और माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद टांक उपस्थित रहे। गोपेश शर्मा को इस प्रतिष्ठित अवॉर्ड के तहत शाल, नेपाली टोपी, प्रशस्ति पत्र, मेडल और स्मृति चिन्ह भेंटकर उनके चार वर्षों से चल रहे पर्यावरण और समाज सेवा कार्यों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया। इस अवसर पर गोपेश शर्मा ने कहा कि यह सम्मान उदयपुर और राजस्थान के पर्यावरण कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने समाज के सभी सदस्यों से अपील की कि वे भी पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाएँ।

# इस्कॉन कोवे 31 दिसम्बर को गणगौर घाट पर कीर्तन करेंगें



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, चिरवा मनोहरपुरा मे बन रहे इस्कॉन कोवे मंदिर की ओर से गणगौर घाट पर नव वर्ष की पूर्व सन्ध्या पर 31 दिसम्बर को सायंकाल 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक हरिनाम संकीर्तन करेंगे। प्रोजेक्ट डाइरेक्टर मदन गोविंद प्रभु ने बताया कि वृहद स्तर पर आयोजित कीर्तन का पवित्र उद्देश्य भक्ति और आध्यात्मिक ध्वनि के साथ भगवान के पवित्र नामो के सामुहिक जाप, हृदय की शुद्धता व आत्मीय सुख शान्ति के लिए किया जाएगा। जो नववर्ष आगमन पर बहुत शुभ फलदायी सिद्ध होगा। इस कीर्तन का नेतृत्व वृन्दावन के मधुमंगल प्रभु,दिल्ली के सचीजीवन प्रभु तथा भीलवाड़ा के देवानंद प्रभु करेगें। जिसमे अनेक ब्रह्मचारी वैष्णवो के साथ उदयपुर के भक्तो की उपस्थिति से नई आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होगा। मदन गोविंद के अनुसार इस्कॉन कोवे भगवद्गीता और श्रीमद्भागवतम को समर्पित जीवन्त आध्यात्मिक केन्द्र है। जो सभी आयुवर्ग के लिए पारिवारिक सांस्कृतिक और धार्मिक शिक्षा व हरिनाम कीर्तन पर ध्यान केंद्रित करता है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

# नए साल के टशन में भूल न जाना हदें, पुलिस की एडवाइजरी दारू पीकर चलाना मत, हुड़दंग मचाना मत




**24 न्यूज अपडेट**

उदयपुर। नववर्ष की पूर्व संध्या पर शहर के होटल, रेस्टोरेंट, क्लब और फार्म हाउस में उत्सव और उल्लास का माहौल आम होता है। इस अवसर पर उदयपुर पुलिस अधीक्षक श्री योगेश गोयल के निर्देशन में जिले में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

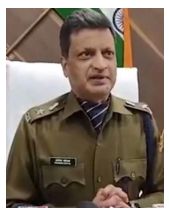
पुलिस ने आयोजकों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं: क्षमता का पालन अनिवार्यः प्रत्येक आयोजन स्थल पर केवल बैठने की क्षमता के अनुरूप ही व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाएगा। आगंतुकों की आईडी सत्यापित की जाएगी और उसकी प्रतिलिपि अनिवार्य रूप से संधारित की जाएगी। व्यवस्थित पार्किंग एवं यातायात प्रबंधनः आयोजन स्थल पर स्वतंत्र पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी तथा सुरक्षा गार्ड तैनात रहेंगे, जिससे सड़क पर जाम या अफरातफरी की स्थिति न उत्पन्न हो। शराब, हुक्का और मादक पदार्थों पर नियंत्रणः वैध अनुज्ञा पत्र के बिना शराब की बिक्री तथा अवैध मादक पदार्थों के उपयोग और परिवहन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। अग्नि सुरक्षा एवं आपातकालीन उपायः प्रत्येक स्थल पर अग्निशमन यंत्र, आपातकालीन मार्ग, रोशनी और सुरक्षा मानकों की पूर्ण पालना अनिवार्य होगी।

सुरक्षा वॉलिंटियर्स की तैनातीः आयोजन स्थल पर प्रशिक्षित वॉलिंटियर्स तैनात रहेंगे।

हथियार निषेधः किसी भी आगंतुक को निषेध हथियार साथ लाने की अनुमति नहीं होगी।

एसपी योगेश गोयल ने कहा, "नववर्ष का उत्सव केवल उल्लास का अवसर नहीं, बल्कि समाज में शांति, संयम और सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक भी है। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह कानून और सामाजिक मर्यादा का पालन सुनिश्चित करे।" उदयपुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि शराब पीकर वाहन न चलाएँ, तेज रफ्तार और हुड़दंग के प्रयासों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों जैसे बाजार, मॉल, पार्क, होटल और रेस्टोरेंट में सतर्क रहना आवश्यक है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि नववर्ष का जश्न सुरक्षित, शांतिपूर्ण और आनंदमय तरीके से मनाया जा सके।

### एसपी गोयल का संदेश



आपकी सतर्कता और सहयोग से ही नववर्ष-2026 का स्वागत सुरक्षित, सुचारू और प्रेरणादायक होगा। संयम, सुरक्षा और सांस्कृतिक मूल्यों का पालन प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

# डॉ. इंद्रजीत सिंह भाटी को अंतरराष्ट्रीय पोस्ट-डॉक्टोरल कार्यक्रम में उपलब्धि प्रमाणपत्र

**24 न्यूज अपडेट**



रेजियो कैलाब्रिया (इटली)। डॉ. इंद्रजीत सिंह भाटी को "ग्लोबलाइजेशन एंड ह्यूमन राइट्स" विषय पर अंतरराष्ट्रीय पोस्ट-डॉक्टोरल कार्यक्रम में उत्कृष्ट सहभागिता के लिए प्रतिष्ठित Certificate of Accomplishment प्रदान किया गया है। यह प्रमाणपत्र "इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च एंड यूरोपियन स्टडीज़ – बिटोला (उत्तर मैसिडोनिया)", "Mediterranea International Centre for Human Rights Research (इटली)" तथा "Cracow University of Economics (पोलैंड)" के संयुक्त तत्वावधान में प्रदान किया गया।

यह कार्यक्रम 1 सितंबर 2024 से 1 सितंबर 2025 तक आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. भाटी ने मानवाधिकार एवं वैश्वीकरण से संबंधित विभिन्न शोध गतिविधियों और वैज्ञानिक प्रसार कार्यों में सक्रिय एवं सार्थक योगदान दिया। उनके शोध कार्यों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना प्राप्त हुई।

कार्यक्रम निदेशक प्रो. डॉ. एंजेलो विग्लियानिसी फेरारो ने डॉ. इंद्रजीत सिंह भाटी के समर्पण, शैक्षणिक उत्कृष्टता और वैश्विक शोध परिदृश्य में योगदान की प्रशंसा की।

डॉ. भाटी की इस उपलब्धि को भारतीय शैक्षणिक एवं शोध समुदाय के लिए गौरव का विषय बताया जा रहा है। डॉ. भाटी ने पूर्व में बी. एन. विश्विद्यालय से 2020 में पी. एच. डी. पूर्ण की है व 2013 से वर्तमान तक गुजरात न्यायिक सेवाओं में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पद पर कार्यरत है।

# जनवरी में उदयपुर रेलसेवा में बढ़ेंगे डिब्बे, यात्रियों को मिलेगी अतिरिक्त सुविधा



**24 न्यूज अपडेट**

उदयपुर। यात्रियों की सुविधा और बढ़ते यात्री भार को ध्यान में रखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे ने उदयपुर से चलने वाली प्रमुख रेलसेवाओं में जनवरी 2026 के लिए अस्थायी रूप से अतिरिक्त डिब्बे तैनात करने का निर्णय लिया है। रेलवे जनसंपर्क अधिकारी श्री शशि किरण ने बताया कि कुल 52 जोड़ी रेलसेवाओं में 135 डिब्बों की अस्थायी बढ़ोतरी की जाएगी। उदयपुर से विशेष रूप से निम्नलिखित सेवाओं में अतिरिक्त डिब्बे लगाए जाएंगे: उदयपुर-सिटी-जयपुर रेलसेवा (गाड़ी संख्या 12991/12992): 01 जनवरी से 31 जनवरी तक 2 द्वितीय श्रेणी कुर्सीयान और 1 साधारण श्रेणी डिब्बा। जयपुर-उदयपुर सिटी-जयपुर (गाड़ी संख्या 09721/09722): 01 जनवरी से 31 जनवरी तक 1 थर्ड एसी व 2 साधारण डिब्बे। उदयपुर-सिटी-असारवा-उदयपुर सिटी (गाड़ी संख्या 20987/20988): 01 जनवरी से 31 जनवरी तक 1 थर्ड एसी व 2 साधारण डिब्बे। इन अतिरिक्त डिब्बों से त्योहारों और शीतकालीन यात्राओं के दौरान यात्री सुविधा में सुधार होगा और भीड़-भाड़ की समस्या कम होगी। शशि किरण ने बताया कि अन्य मुख्य मार्गों पर भी विभिन्न श्रेणियों के डिब्बों की अस्थायी बढ़ोतरी की गई है ताकि यात्रियों को आरामदायक और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि समय से पूर्व टिकट बुकिंग करें और यात्रा के दौरान रेलवे के निर्देशों का पालन करें।

# नववर्ष से पहले देशभर के तीर्थ और पर्यटन स्थलों पर भारी भीड़



**24 न्यूज अपडेट**

जयपुर / अमृतसर। नए साल के स्वागत से पहले देशभर के धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल भक्तों और पर्यटकों की भीड़ से गूंज उठे हैं। उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ और अयोध्या के रामलला मंदिर में श्रद्धालुओं की लाइनें 2–2 किलोमीटर लंबी लग गई हैं। बरसाना की गलियों में राधारानी के भक्त और वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर के चारों ओर प्रसाद और लस्सी की दुकानों पर भक्तों का घण्टों का तड़का नजर आया।

### राजस्थान में श्रद्धालुओं का उत्साह

सीकर में खाटूश्यामजी मंदिर में दर्शन के लिए चार लंबी लाइनें लगी हैं और श्रद्धालुओं को करीब डेढ़ से दो घंटे का इंतजार करना पड़ रहा है। जयपुर में हवामहल और सिटी पैलेस में टूरिस्ट्स फोटो-वीडियो बनाते हुए ऐतिहासिक ठाठ-बाट का आनंद ले रहे हैं। जैसलमेर के सम रेगिस्तान में सैलानी मस्ती करते दिखाई दिए, जबकि सोनार किला में प्रवेश की लंबी कतारें बनी हुई हैं।

### महाकाल और ओंकारेश्वर में श्रद्धालुओं की भीड़

उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में नए साल के अवसर पर लगभग 12 लाख भक्त पहुंचने की संभावना जताई गई है। वहीं कालभैरव मंदिर में भी करीब 10 लाख श्रद्धालु नए साल पर पवित्र दर्शन के लिए उमड़ेंगे। ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग में VIP दर्शन भी बंद करना पड़ा, क्योंकि भक्तों की भीड़ से मंदिर परिसर में जगह कम पड़ रही थी।

### पंजाब में स्वर्ण मंदिर में भव्य सैलाब

अमृतसर का गोल्डन टेंपल भी नए साल के पहले श्रद्धालुओं और सैलानियों से गुलजार है। हेरिटेज स्ट्रीट पर लोग घूमते, दर्शन करते और सांस्कृतिक उत्सव का आनंद लेते दिखे। हर जगह पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की है। श्रद्धालु और पर्यटक संतुलित तरीके से दर्शन और पर्यटन का आनंद लें, इसे लेकर प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की है।

# जीनगर समाज का 17वां जिला स्तरीय प्रतिभावान सम्मान समारोह संपन्न



**24 न्यूज अपडेट**

जालोर/उदयपुर, 29 दिसंबर। जीनगर युवा संघर्ष समिति के तत्वावधान में जीनगर समाज का 17वां जिला स्तरीय प्रतिभावान सम्मान समारोह जगजीवन राम कॉलोनी, भीनमाल (जालोर) में गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ। समारोह में शिक्षा, सेवा, तकनीक, व्यवसाय एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली समाज की 501 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उदयपुर की शिक्षाविद् एवं साहित्यकार किरण बाला जीनगर रहीं, जबकि अध्यक्षता डूंगरमल, प्रबंधक निदेशक, सरस डेयरी रानीवाड़ा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में तेजाराम, अशोक कुमार, चंपालाल, पवनी देवी, मंछाराम सहित अनेक शिक्षाविद्, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि किरण बाला जीनगर ने कहा कि शिक्षा समाज की प्रगति का सबसे सशक्त माध्यम है। प्रतिभाओं का सम्मान विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने के साथ समाज को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। अध्यक्षीय उद्बोधन में डूंगरमल ने समाज से शिक्षा, अनुशासन और संस्कारों के मार्ग पर निरंतर अग्रसर रहने का आह्वान किया। समारोह में कक्षा 10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर 65 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल, श्रेष्ठ बालक-बालिका को गोल्ड मेडल तथा विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त प्रतिभाओं को 'जीनगर रत्न' सम्मान प्रदान किया गया। साथ ही मेधावी विद्यार्थियों को 5100 व 6000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि देकर उत्साहवर्धन किया गया। द्वितीय अव्वल छात्र-छात्रा एवं जीनगर रत्न को पीसी टैबलेट भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में शिक्षा के साथ-साथ सेवा, तकनीकी, व्यवसाय एवं सामाजिक क्षेत्र में योगदान देने वाले समाजजनों का भी सम्मान किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में समाजबंधु, अभिभावक एवं युवा वर्ग की सहभागिता रही। समापन पर आयोजकों ने अतिथियों, दानदाताओं व सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

# ऑपरेशन चक्रव्यूहः बागलिया के बीहड़ों में चल रही ड्रग्स फैक्ट्री ध्वस्त




**24 न्यूज अपडेट**

जयपुर 29 दिसंबर। प्रतापगढ़ एसपी बी. आदित्य के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्रव्यूह ने नशे के सौदागरों की कमर तोड़ दी है। हथुनिया थाना पुलिस ने बागलिया के दुर्गम जंगलों और पहाड़ियों के बीच चल रही एक अवैध एमडी निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में उपकरण, मादक पदार्थ और एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

एसपी आदित्य ने बताया कि 29 दिसंबर की रात हथुनिया थानाधिकारी उदयवीर सिंह जब अपनी टीम के साथ गश्त पर थे, तब बागलिया से टकरावद के सुनसान रास्ते पर घने पेड़ों के बीच एक पहाड़ी पर आग जलती दिखाई दी। कड़कड़ाती ठंड में निर्जन स्थान पर आग देख पुलिस को संदेह हुआ। जब टीम दबे पांव पैदल पहाड़ी पर चढ़ी, तो वहां का नजारा चौंकाने वाला था। एक प्लास्टिक की झोपड़ी के भीतर एमडी बनाने का पूरा अवैध सेटअप लगा हुआ था।

घेराबंदी कर दबोचा गया एक आरोपी पुलिस की आहट पाकर वहां मौजूद 21 वर्षीय करीम अजमेरी निवासी बगलिया ने भागने की कोशिश की, लेकिन मुस्तैद जाप्ते ने उसे चारों ओर से घेर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 28.54 ग्राम अवैध एमडी बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि वह यहां हारून अजमेरी के इशारे पर फैक्ट्री की रखवाली कर रहा था। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और निर्माण सामग्री को कब्जे में ले लिया है।

इस पूरे काले कारोबार का मास्टरमाइंड हारून अजमेरी बताया जा रहा है। हारून कोई साधारण अपराधी नहीं है, उसके खिलाफ राजस्थान और मध्य प्रदेश के विभिन्न थानों में एनडीपीएस एक्ट के 4 गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। पहले भी थानाधिकारी हथुनिया द्वारा उसकी अवैध कमाई से बनाई गई संपत्ति को धारा 68(F) के तहत फ्रीज किया जा चुका है, इसके बावजूद वह बेखौफ होकर जंगलों में नशे का जाल बुन रहा था।

इस कार्यवाही में थानाधिकारी उदयवीर सिंह के साथ एएसआई भोलुराम, रामचंद्र, हेड कांस्टेबल राजवीर, मनोहरसिंह, सुरेश कुमार और कांस्टेबल अनोप, मुकेश, अरुण, सुरेश, गिरीश चंद, भगवतीलाल व चालक गणपत की मुख्य भूमिका रही। पुलिस अब फरार हारून की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

# बारां पुलिस की दोहरी सफलताः फायरिंग के 5 आरोपी गिरफ्तार, 30 साल से साधु बनकर छिपा हत्यारा भी सलाखों के पीछे




**24 न्यूज अपडेट**

जयपुर, 29 दिसंबरः बारां पुलिस ने कानून-व्यवस्था में दो बड़ी कामयाबियां दर्ज की हैं। एसपी अभिषेक अंदासु के निर्देशन में बारां सदर थाना पुलिस ने आपसी रंजिश में फायरिंग करने वाले पांच बदमाशों को दबोचा, वहीं मध्यप्रदेश का 30 साल से फरार सजायाफ्ता हत्यारा, जो साधु का वेश धारण कर छिपा था, गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। एसपी अंदासु ने बताया कि 14 दिसंबर को हाऊसिंग बोर्ड निवासी नवीन पांचाल को बातचीत के बहाने बुलाया गया था। वहां कपिल मीणा, विकास उर्फ बबलू और अन्य साथियों ने पुरानी रंजिश के चलते नवीन और उसके साथी राहुल पर फायरिंग की, जिसमें नवीन घायल हो गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी के सुपरविजन में गठित टीम ने तकनीकी और जमीनी जांच के आधार पर आरोपियों का पीछा किया। पुलिस ने पार्वती नदी के पास घेराबंदी कर कपिल मीणा, विकास उर्फ बबलू, रितेश गुर्जर, चंचल सिंह और हेमंत गुर्जर को गिरफ्तार किया। आरोपियों से हथियार बरामदगी के लिए उन्हें रिमांड पर लिया गया है।

30 साल से साधु बनकर छिपा हत्यारा बारां पुलिस ने मध्यप्रदेश पुलिस के सहयोग से रामभरोस सिंह शिकारी (अशोकनगर, एमपी) को भी गिरफ्तार किया। रामभरोस 1993 में हुई हत्या का आरोपी था और उच्च न्यायालय ग्वालियर द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद से फरार चल रहा था। एसपी अंदासु ने बताया कि रामभरोस बारां के हीकड़ गांव में नदी किनारे आश्रम में साधु का वेश धारण कर सेवा-पूजा कर रहा था, ताकि कोई उस पर शक न करे। थानाधिकारी हीरालाल की टीम ने उसे दबोच कर मध्यप्रदेश पुलिस के सुपुर्द कर दिया। इन दोनों सफल ऑपरेशनों में थानाधिकारी हीरालाल, एएसआई लक्ष्मीचन्द, अब्दुल फरीद, कांस्टेबल राकेश, सुशील, रोहिताश्व, सुरेश और रामबाबू की विशेष भूमिका रही।

# युडीए की आवासीय योजनाएं : सफल आवेदकों का दस्तावेज सत्यापन 5 जनवरी से




**24 न्यूज अपडेट**

उदयपुर, 29 दिसंबर। उदयपुर विकास प्राधिकरण की तीन आवासीय योजना यथा साउथ एक्सटेंशन सेक्टर-ए, उद्यम विहार, नान्देश्वर एनक्लेव के 1109 आवासीय भूखण्डों का ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन गुरूवार 25 दिसंबर को किया गया है। 5 जनवरी से समस्त सफल आवेदकों के दस्तावेजों का सत्यापन प्राधिकरण परिसर में किया जाना है। उदयपुर विकास प्राधिकरण के सचिव हेमेन्द्र नागर ने बताया कि सर्वप्रथम साउथ एक्सटेंशन सेक्टर-ए योजना के सफल आवेदकों के दस्तावेज हेतु शिड्यूल 5 जनवरी से 20 जनवरी तक समस्त कार्य दिवस के लिए जारी किया गया है। शेष योजनाओं के शिड्यूल भी शीघ्र ही जारी कर दिए जाएंगे। सफल आवेदक दस्तावेज सत्यापन हेतु प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेजों की सूची एवं शेड्यूल की जानकारी विभागीय पोर्टल पर देख सकते हैं। समस्त सफल आवेदकों को दस्तावेज सत्यापन हेतु निर्धारित दिनांक की सूचना मैसेज के द्वारा भी दी जाएगी।

# महाराणा प्रताप बयान विवादः बढ़ते विरोध के बीच राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने मांगी माफी, कहा-भाव गलत समझे गए

**24 न्यूज अपडेट**




उदयपुर। महाराणा प्रताप को लेकर दिए गए बयान पर मचे राजनीतिक और सामाजिक घमासान के बाद पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया को सफाई के साथ सार्वजनिक माफी मांगनी पड़ी है। विवाद तूल पकड़ने और विभिन्न संगठनों के तीखे विरोध के बीच कटारिया ने सोमवार को वीडियो संदेश जारी कर कहा कि उनके शब्दों का अर्थ तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया और यदि "प्रताप को जिंदा किया" जैसे शब्दों से किसी को ठेस पहुंची है, तो वे इसके लिए क्षमा चाहते हैं। कटारिया ने स्पष्ट किया कि उनका आशय महाराणा प्रताप के सम्मान को ठेस पहुंचाने का कभी नहीं रहा। उन्होंने कहा, "मेरी सबसे विनती है कि मेरा भाषण शुरू से अंत तक सुना जाए। मेरे शब्दों के पीछे का भाव समझा जाए। महाराणा प्रताप के प्रति मेरे मन में अपार श्रद्धा और आस्था है।"

### कांग्रेस शासन पर संदर्भ, प्रताप के अपमान का नहीं था आशय

कटारिया ने कहा कि उनका बयान कांग्रेस सरकारों के संदर्भ में था। उन्होंने तर्क दिया कि 1947 से 1977 तक कांग्रेस की सरकारें रहीं, लेकिन उस दौर में महाराणा प्रताप के जीवन, शौर्य और विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाने के ठोस प्रयास नहीं हुए। उन्होंने कहा कि जनता पार्टी के शासनकाल में पहली बार प्रताप से जुड़े स्थलों को पहचान दिलाने और उनके विकास की दिशा में काम शुरू हुआ। गोगुंदा, हल्दीघाटी, चावंड, पोखरगढ़ और कुंभलगढ़ जैसे ऐतिहासिक स्थलों के विकास की शुरुआत उसी दौर में हुई। कटारिया ने यह भी याद दिलाया कि जब वे 33 वर्ष की उम्र में पहली बार विधायक बने, तब मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत से आग्रह कर मेवाड़ कॉम्पलेक्स योजना स्वीकृत करवाई गई, जिससे मेवाड़ अंचल में प्रताप से जुड़े स्थलों को नई पहचान मिली।

गोगुंदा के भाषण से भड़का विवाद दरअसल, 22 दिसंबर को उदयपुर जिले के गोगुंदा क्षेत्र की धूली घाटी में एक शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान दिए गए कटारिया के भाषण का एक अंश सामने आने के बाद विवाद भड़क उठा। भाषण में "महाराणा प्रताप को पहली बार जिंदा करने" जैसे शब्दों को लेकर कई सामाजिक संगठनों ने कड़ा ऐतराज जताया।

### करणी सेना की धमकी से माहौल गरमाया

बयान के सामने आने के बाद क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत ने सोशल मीडिया पर बेहद आपत्तिजनक और धमकी भरा पोस्ट किया, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया। पोस्ट में कटारिया के खिलाफ हिंसक भाषा का इस्तेमाल किया गया। इसके बाद प्रशासन और राजनीतिक हलकों में भी हलचल तेज हो गई।

### कटारिया की सफाईः 'मेरे शब्दों को आगे-पीछे सुनिए'

विवाद बढ़ने पर कटारिया ने चंडीगढ़ रवाना होने के बाद वीडियो संदेश जारी कर कहा कि उनके शब्दों को संदर्भ से काटकर पेश किया गया। उन्होंने कहा, "मैंने यह कहा कि प्रताप के शौर्य और गाथाओं को घर-घर पहुंचाने का काम कांग्रेस भी कर सकती थी। यही मेरा भाव था। 'जिंदा किया' शब्द से यदि किसी को बुरा लगा, तो मैं क्षमा चाहता हूं। मेरा ऐसा कोई भाव नहीं था।" कटारिया ने यह भी बताया कि वर्तमान सरकार ने महाराणा प्रताप से जुड़े स्थलों के और विकास के लिए 175 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है।

### फूट डालने की राजनीति पर तीखा हमला

अपने मूल भाषण में कटारिया ने समाज को बांटने की राजनीति पर भी तीखा प्रहार किया था। उन्होंने कहा था कि महाराणा प्रताप की सेना में भील समाज की अहम भूमिका थी और बिना आदिवासी समाज के सहयोग के हल्दीघाटी का युद्ध संभव नहीं था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि "फूट डालकर राज करने की सोच अंततः देश और समाज—दोनों को बर्बाद कर देती है।"

### सम्मान में कोई कमी नहीं, आग्रह-पूरा भाषण सुना जाए

कटारिया ने अंत में दोहराया कि महाराणा प्रताप के प्रति उनका सम्मान अडिग है और रहेगा। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे पूरे भाषण को सुनकर ही निष्कर्ष निकालें और सुझाव दें, न कि अधूरे अंशों के आधार पर विवाद खड़ा करें।

# अयोध्या हनुमानगढ़ी महंत के सागवाड़ा आगमन पर किया भव्य स्वागत



**24 न्यूज अपडेट**

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास जी के सागवाड़ा आगमन पर सोमवार को नगर के गोल चौराहा पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया तथा जय श्रीराम और बजरंगबली के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। इस अवसर पर महंत राजू दास जी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। महंत जी का सान्निध्य पाकर भक्तगण भावविभोर दिखाई दिए। साथ ही नगर के गोल चौराहे स्थित वाडेल वस्त्रालय में दुकान के मालिक पुनीत वाडेल ने पलक-पांवड़े बिछाकर पुष्पवृष्टि से अगवानी की। महंत जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भक्ति, सेवा और संस्कार ही मानव जीवन का आधार हैं। सच्ची श्रद्धा और प्रभु भक्ति से जीवन के संकट दूर होते हैं। महंत जी ने युवाओं से नशे से दूर रहकर समाज और राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने सनातन संस्कृति, रामभक्ति और हनुमान जी की उपासना के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना भी की। इस अवसर पर पूर्व सांसद कनकमल कटारा, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक पटेल रणोली, पूर्व भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष श्याम भट्ट, श्री श्री उत्तम गोशाला संस्थापक मुकेश भोई, नगर कांग्रेस अध्यक्ष ललित पंचाल, गोशाला अध्यक्ष रविंद्र सुथार, समाजसेवी के.पी. सिंह चौहान (चिखली हाल कॉलोनी), कान्तिलाल खटीक, हरिश्चंद्र सोमपुरा, चंद्रशेखर संघवी सहित गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने महंत जी का आशीर्वाद प्राप्त कर स्वयं को कृतार्थ महसूस किया।

# सहस्त्र बड़ी औदिच्य ब्राह्मण समाज जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण हुआ




**24 न्यूज अपडेट**

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। सहस्त्र बड़ी औदिच्य ब्राह्मण समाज जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह हुआ, समाज सुधार व विकास पर व्यापक चर्चा की गई। समारोह में पदाधिकारियों को पद व कर्तव्यों की शपथ दिलाने के साथ ही सामाजिक सुधार व विकास के कई बिंदुओं पर व्यापक चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के जिला अध्यक्ष डॉ. हितेश रावल (पूंजपुर) ने की। मुख्य अतिथि हेमंतदादा पाठक और विशिष्ट अतिथि हेमेंद्र उपाध्याय, हेमेंद्र भट्ट (नंदौड़), सागवाड़ा इकाई अध्यक्ष विनय शुक्ला, रमेशचंद्र भट्ट (भीलूड़ा) और महिला सदस्य हेमलता लोकेश पाठक रहे। सचिव रमेश पाठक ने स्वागत उद्बोधन दिया। साथ ही पिछले डेढ़ माह में किए गए कार्यों का प्रतिवेदन पढ़ा। सचिव पाठक ने अध्यक्ष रावल द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए समस्त समाजजनों से बेणेश्वर में भवन निर्माण के साथ सामाजिक सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों में सहयोग करने की अपील की। समाज के अध्यक्ष व वरिष्ठजनों ने कार्यकारिणी के सदस्यों को शपथ ग्रहण करवाया। साथ ही सभी ग्रामीण इकाइयों के अध्यक्ष व पदाधिकारियों को मुख्य अतिथि हेमंतदादा पाठक ने शपथ दिलवाई। हेमेंद्र उपाध्याय ने समाज की ओर से निर्धारित नियमों का पालन करने व समाज सुधार के कार्यों में सहयोग करने की अपील की। हेमा पाठक ने मृत्यु के प्रसंग में तिये की बैठक का मुद्दा रखते हुए सभी की सहमति मांगते हुए कहा कि किसी की मृत्यु के उपरांत 12 दिन तक चलने वाली बैठक में सुधार कर उसे तीन दिन के लिए पाबंद किया जाए। इसके अलावा मांगलिक अवसरों पर निमंत्रण पत्रिका को व्हाट्सऐप व सोशल मीडिया के माध्यम से भेजने व उसे स्वीकार करने का सुझाव रखा। इस पर जिलाध्यक्ष रावल ने समर्थन मांगा, जिस पर सभी ने बहुमत से समर्थन किया। हेमेंद्र भट्ट ने कहा कि अध्यक्ष पद ग्रहण के बाद भवन निर्माण के लिए राशि संग्रह, समाज का रजिस्ट्रेशन और इकाई स्तर पर महिला कार्यकारिणी के गठन जैसे कार्यों को गति मिली है। हेमंतदादा पाठक ने सुशासन दिवस व पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस पर हुए समारोह को ऐतिहासिक बताया। समाज अध्यक्ष डॉ. रावल ने बताया कि कम समय में 101 से अधिक भामाशाहों से 13 लाख रुपये से अधिक राशि एकत्रित की गई है।

# राजस्थान हिस्ट्री कांग्रेस में डॉ. ममता पूर्बिया को सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से नवाजा



**24 न्यूज अपडेट**

उदयपुर. इतिहास एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान विद्यापीठ की सहायक आचार्य डॉ. ममता पूर्बिया को उनके शोध पत्र "नर्बदेश्वर मंदिर का स्थापत्य" के लिए प्रतिष्ठित प्रोफेसर नीलिमा वशिष्ठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें राजस्थान हिस्ट्री कांग्रेस के 38वें अधिवेशन में "राजस्थान की कला एवं स्थापत्य का अध्ययन" विषय के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुति हेतु प्रदान किए जाने हेतु चयनित किया गया था। राजस्थान हिस्ट्री कांग्रेस के नियमानुसार यह पुरस्कार 39वें अधिवेशन में औपचारिक रूप से प्रदान किया गया, जिसका आयोजन महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश, मेहरानगढ़ जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। डॉ. ममता पूर्बिया ने अपने शोध पत्र में नर्बदेश्वर मंदिर की स्थापत्य शैली, कलात्मक विशेषताओं तथा ऐतिहासिक महत्व का गहन एवं तथ्यपरक विश्लेषण प्रस्तुत किया, जिसे विद्वानों एवं इतिहासकारों द्वारा विशेष सराहना प्राप्त हुई।

# सृष्टि अहारी का राष्ट्रीय तीरंदाजी टीम में चयन



**24 न्यूज अपडेट**

खेरवाड़ा। खेरवाड़ा क्षेत्र की होनहार तीरंदाज सृष्टि अहारी का राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए राजस्थान टीम में चयन किया गया है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता आगामी दिनों में रांची (झारखंड) में आयोजित की जाएगी। सृष्टि ने इससे पहले धौलपुर में आयोजित स्कूल एसजीएफआई खेल प्रतियोगिता में रिकर्व राउंड, अंडर-17 आयु वर्ग की व्यक्तिगत स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता और टॉप-8 में स्थान प्राप्त किया। इसके बाद जयपुर में आयोजित नेशनल ट्रायल में शानदार खेल का प्रदर्शन कर टॉप-4 में जगह बनाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर चयन सुनिश्चित किया। सृष्टि की छोटी बहन नित्य श्री अहारी ने भी अंडर-14 आयु वर्ग में वाराणसी में आयोजित एसजीएफआई स्कूल राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। दोनों बहनें लगातार अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से खेरवाड़ा और राजस्थान का मान बढ़ा रही हैं। जयपुर में नेशनल ट्रायल में श्री एनएस तीरंदाजी एकेडमी से सृष्टि के साथ-साथ सुधांशी गरासिया और वर्षिका चौधरी का भी चयन हुआ, जो खेरवाड़ा क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। प्रशिक्षक भगवती लाल गरासिया, सी.पी. अहारी और महेश गरासिया ने कहा कि यदि सरकार या कोई संस्था इन खिलाड़ियों को उचित सहयोग प्रदान करे, तो खेरवाड़ा क्षेत्र की तीरंदाजी प्रतिभाएं राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। वर्तमान में सभी खिलाड़ियों को श्री एनएस तीरंदाजी एकेडमी में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

# ग्राहक पंचायत संगठन का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग सम्पन्न




**24 न्यूज अपडेट**

उदयपुर। ग्राहक पंचायत संगठन का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग सम्पन्न हुआ। अभ्यास वर्ग को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय संगठन मंत्री भगवती शर्मा ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण वर्गों से कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्य पद्धति की स्पष्ट जानकारी मिलती है, जिससे जिलों में उपभोक्ताओं के हित में प्रभावी कार्य करने की प्रेरणा प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण कानून 2019 के निर्माण में ग्राहक पंचायत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जिला मंत्री नारायण पंचोली ने बताया कि उद्घाटन सत्र में ओम त्रिपाठी एवं नारायण हेडा ने पंच परिवर्तन विषय पर विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांत अध्यक्ष रोशनलाल तोतला ने की। प्रांत संगठन मंत्री राकेश पालीवाल ने संगठन का वार्षिक पंचांग प्रस्तुत करते हुए जिला से तहसील स्तर तक ग्राहक मार्ग सेवा केंद्र खोलने की योजना की जानकारी दी। प्रांत सचिव प्रमोद राठौर ने आरटीआई विषय पर विस्तार से मार्गदर्शन किया तथा कार्यक्रम का संचालन भी किया। समापन सत्र में विभाग सह-कार्यवाह श्याम नागर ने संघ के 100 वर्ष एवं ग्राहक पंचायत के 50 वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रांत उपाध्यक्ष शिशिर विजयवर्गीय, फतेहलाल पारिक, डॉ. कुणाल आमेटा, शंकरलाल तेली, सोनल विजयवर्गीय सहित कोटा, उदयपुर, अजमेर, बारा, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, बूंदी एवं झालावाड़ से प्रांत एवं जिला स्तर के कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में कुशाल गुप्ता ने आभार व्यक्त किया।

# मकर संक्रांति खेलोत्सव 3.0 में टीमों का ऑक्शन कल

**24 न्यूज अपडेट**

उदयपुर, 29 दिसम्बर। उदयपुर नगर माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वावधान में मकर संक्रांति खेलोत्सव 3.0 के तहत मंगलवार को क्रिकेट व वॉलीबॉल टीमों के लिए ऑक्शन होगा। संगठन के अध्यक्ष मयंक मूंदड़ा ने बताया कि ऑक्शन हिरण मगरी सेक्टर-4 स्थित महेश सेवा समिति के परिसर में होगा। इस अवसर पर खेल मंत्री राघव मूंदड़ा ने बताया कि दोनों ही खेलों में आठ-आठ टीमें होंगी और सभी टीमों के स्पॉन्सर तय हो चुके हैं। स्पॉन्सर्स ऑक्शन के दौरान अपनी-अपनी टीम के लिए खिलाड़ियों का चयन करेंगे। क्रिकेट व वॉलीबॉल की प्रतियोगिताएं 3 व 4 जनवरी को राजस्थान कृषि महाविद्यालय (आरसीए) के मैदान में होंगी। क्रिकेट के मैच 3 जनवरी को सुबह शुरू होंगे और वॉलीबॉल प्रतिस्पर्धाएं शाम को होंगी। अगले दिन 4 जनवरी को इन प्रतियोगिताओं के फाइनल मैच के साथ ही सितोलिया व एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं भी होंगी। सितोलिया की एक टीम में सात महिलाएं शामिल होंगी जिनमें हर उम्र की महिलाओं को शामिल किया जाएगा। महामंत्री अर्चित पलोड़ व कोषाध्यक्ष सुदर्शन लढ्ढा ने बताया कि समापन समारोह 4 जनवरी शाम साढ़े पांच बजे आरसीए के ही ऑडिटोरियम में होगा। इसी समारोह में उदयपुर नगर माहेश्वरी युवा संगठन की ओर से गत वर्ष की तरह समाज की विभूतियों को पावर आइकन्स सम्मान से विभूषित किया जाएगा। विजेताओं को नकद पुरस्कार बांटे जाएंगे। मीडिया प्रभारी राघव मण्डोरा ने बताया कि खेलोत्सव का आगाज 21 दिसम्बर को पहले चरण के रूप में बैडमिंटन व टेबल टेनिस प्रतियोगिताओं के साथ हो चुका है। आगामी प्रतियोगिता के लिए तैयारियां जारी हैं। सोमवार को हुई तैयारी बैठक में संगठन मंत्री हितेष मूंदड़ा, संयुक्त महामंत्री पुनीत हेड़ा, उपाध्यक्ष दर्शन असावा, मयंक दिलीप मूंदड़ा, दीपक लढ्ढा, अभिषेक तोषनीवाल, अर्पित कालानी, मंत्री यश असावा, लक्षित मूंदड़ा, मोहित मूंदड़ा, राहुल मालपानी, सांस्कृतिक मंत्री हिमांशु न्याती, आईटी प्रभारी वरुल तोषनीवाल, आयोजन सचिव मोहित माहेश्वरी, बधाई संयोजक हेमंत काबरा, कार्यकारिणी सदस्य अंकित चेचाणी, आशीष राठी, आशीष बाहेती, शोभित मंत्री आदि भी उपस्थित रहे।




24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।